UPGZ010029572026

न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश,कोर्ट संख्या–4,गाजियाबाद।

पीठासीन अधिकारी–शिव कुमार तिवारी ,(उच्चतर न्यायिक सेवा)

J.O. Code No. UP–01646

जमानत प्रार्थनापत्र संख्या–481/2026

कम्प्यूटर रजि०नं०–1318/2026

अमरदीप पुत्र अम्बेद लगभग निवासी झुग्गी नंबर–559 के ब्लॉक थाना जहांगीरपुरी, दिल्ली।

.....प्रार्थी/अभियुक्त

बनाम

उ०प्र०राज्य .....अभियोजन

मु० अ० सं०– 69/2024

धारा–420,34 भा०दं०सं० व 66 डी.आई.टी. एक्ट।

थाना–साईबर क्राईम, गाजियाबाद।

दिनांक–16.03.2026

1– प्रार्थी/अभियुक्त अमरदीप की ओर से यह प्रथम जमानत प्रार्थना–पत्र उपरोक्त प्रकरण मे स्वंय को जमानत पर रिहा किए जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है।

2– प्रथम जमानत प्रार्थनापत्र के समर्थन में पैरोकार श्रीमति पत्नी उम्बेद, द्वारा शपथपत्र प्रस्तुत किया गया है कि प्रार्थी/अभियुक्त का यह प्रथम जमानत प्रार्थनापत्र है, इसके अलावा अन्य कोई जमानत प्रार्थनापत्र माननीय उच्च न्यायालय या अन्य किसी न्यायालय में विचाराधीन नहीं है।

3– आवेदक/अभियुक्त की ओर से प्रस्तुत किये गये जमानत प्रार्थना पत्र के तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी/अभियुक्त को उपरोक्त केस में झूठा व रंजिशन फंसाया गया है प्रार्थी/अभियुक्त निर्दोष है। प्रार्थी/अभियुक्त का उक्त वाद से कोई वास्ता ताल्लुक किसी प्रकार का नहीं है। प्रार्थी/अभियुक्त को थाना साईबर काईम गाजियाबाद की पुलिस ने दिनांक 27–09–2026 ने प्रार्थी/अभियुक्त के घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रार्थी/अभियुक्त का नाम सह अभियुक्त रामआशीष पुत्र लालजी के बयान पर उपरोक्त केस में आया है। प्रार्थी/अभियुक्त द्वारा कोई साईबर अपराध किसी प्रकार का नहीं किया गया है। प्रार्थी/अभियुक्त की गिरफतारी के समय का कोई स्वतंत्र साक्षी मौके का नहीं है। प्रार्थी/अभियुक्त ने किसी के साथ कोई धोखा धडी या जालसाजी नहीं की है इसलिए प्रार्थी/अभियुक्त पर उपरोक्त अपराध नहीं बनता है। एफ०आई०आर देरी से लिखायी गयी है और देरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं दर्शाया गया है। प्रार्थी/अभियुक्त के विरूद्ध वाके का कोई भी निष्पक्ष एवं चश्मदीद गवाह नहीं है। प्रार्थी/अभियुक्त सम्मानित गरीब परिवार का सदस्य है और उसकी छवि खराब करने के उददेश्य से ही उक्त केस में प्रार्थी/अभियुक्त को झूठा फंसा दिया गया है। उक्त अपराध मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय है जिसमें सात वर्ष तक का दण्ड है। प्रार्थी/अभियुक्त को साईबर काईम पुलिस द्वारा वादी मुकदमा से मिली भगत कर रंजिशन जेल भेजा हुआ है। प्रार्थी/अभियुक्त पिछले करीब 5 माह से जिला कारागार गाजियाबाद में बंद है।

4– अभियोजन कथानक के तथ्य इस प्रकार है कि वादी मुकदमा भरत टूटेजा द्वारा फेसबुक पर 22 फ़रवरी 2024 को एक अधिसूचना देखी और उसने लिंक पर क्लिक किया। लिंक पर क्लिक करते ही व्हाट्सएप खुल गया। जिसका व्हाट्सएप नंबर है – 9568572784 और उसने व्हाट्सएप पर चैट करी तो उन्होंने उसे 3 वीडियों लाइक करने के लिए बोले और बोले आपको इसमें 150 रूपये मिलेंगे उसने

वो 3 वीडियो लाइक करी और इसके बाद उन्होंने उसे टेलीग्राम पर जोड़ा। टेलीग्राम आईडी @Yarjuntsdfdge1 उन्होंने उसके अकाउंट में 150 रूपीस ट्रांसफर किए जिसकी Transaction ID 441910870102 दिनांक 22–02–2023 खाता का नाम पवन, बैंक नाम Fino Payment Bank जिसमें पैसे आये उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295 कोटक महिंद्रा बैंक। उसके बाद उन्होंने उसे 20 टास्क दिए और कहा हर टास्क के 10 रूपीस मिलेंगे उसने वो पूरा किया उसके बाद @Yarjuntsdfdge1 ने उसे 200 रूपीस ट्रांसफर किए जिसकी Transaction ID 405331073672 दिनांक 22–02–2023 खाता का नाम पवन, बैंक नाम– Fino Payment Bank जिसमे पैसे आये उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295 कोटक महिंद्रा बैंक। फिर उन्होंने उसे कहा आप और पैसा कमाना चाहते है तो कल 23 फ़रवरी को मॉर्निंग 9 बजे ऑनलाइन आइएएगा, वह अगले दिन सुबह 9 बजे ऑनलाइन आया तो उन्होंने कहा आज के 20 टास्क होंगे हर टास्क के 50 रूपीस मिलेंगे और अलग से रिवॉर्ड भी होगा, 10 टास्कपूरा करने के बाद एडिशनल रिवॉर्ड 300 रूपीस और 15 टास्क पूरा करने के बाद रिवॉर्ड 900 रूपीस और 20 टास्क पूरा करने के बाद रिवॉर्ड 2700 रूपीस होगा उसके बाद उसने 2 वीडियो लाइक करी तो उन्होंने बोलै आपके 100 रूपीस हो गए उसके बाद उन्होंने कहा अब टास्क जो होगा प्रीपेड होगा जिसमे बहुत सारे ऑप्शन थे जैसे 1000 के 1300 मिलेंगे 3000 के 3900 मिलेंगे 25000 के 32500 मिलेंगे तो उसने उनसे कहा वह मिनिमम 1000 रूपीस वाला आप्शन लूंगा फिर उन्होंने उसके को एक बैंक एकाउंट डिटेल दी जिसमे उसने 1000 रूपये ट्रान्सफर किया जिसका खाता संख्या –2345966805, IFSC– KKBK0008518 खाता का नाम – LAKSHMANARAJ V उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295, TRANSACTION ID–442000651060, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंक। उसके बाद उन्होंने उसे ये लिंक दिया https://paedcpeg.net और आईडी पासवर्ड बनाने के लिए कहा, मेने अपना आईडी पासवर्ड बनाकर लोगिन किया जिसमे वो ट्रेडिंग कराते थे जिसका User ID– Bhartu, Password – Activa1234, Invitation code – 846289 उसके बाद उन्होंने मुझे दूसरे बंदे के साथ जोड़ा जिसकी टेलीग्राम आईडी – @SayanaPadhi01 उन्होंने बोला ये आपको 1300 रूपीस देंगे मेने @Sayana Padhi01 को मैसेज किया इन्होने उससे लिंक ओपन करने के लिए कहा और ट्रेडिंग कराइ इसके बाद इन्होने कहा आप @Renisha6677 इनको मेसेज करो ये रिसेप्शनिस्ट है ये आपको 1300 रूपीस ट्रांसफर करेंगे उसने इन्हे मैसेज किया उसके बाद उन्होंने उसके अकाउंट में गूगल पे द्वारा 1300 रूपीस ट्रांसफर करे जिसकी Transaction ID 405471506091 दिनांक 23–02–2023 जिसमे पैसे आये मेरा खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295 कोटक महिंद्रा बैंका उसके बाद उन्होंने फिर से वीडियो लाइक सोने का टास्क दिए उसने वो वीडियो लाइक करी फर उसके बाद उन्होंने दोबारा 3000 रूपीस का टास्क दिया और बोले ये करने पर आपको 3900 रूपीस मिलेंगे और बोले आप @Renisha6677 इन्हे मेसेज करो ये आपको बैंक डिटेल्स देंगी उसने उनसे मैसेज करके बैंक डिटेल्स ली और उसने उन्हें 3000 रूपीस ट्रांसफर करे, जिसका खाता संख्या 2345966805, IFSC–KKBK0008518 खाता का नाम–LAKSHMANARAJ V उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC–KKBK0005295, TRANSACTION ID–405415954319, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंक। उसके बाद उन्होंने दोबारा 2000 रूपीस का टास्क दिया और बोले ये करने पर आपको 2600 रूपीस मिलेंगे उसने उन्हें 2000 रूपीस ट्रांसफर करे जिसका खाता संख्या 2345966805, IFSC–KKBK0008518 खाता का नाम – LAKSHMANARAJ V उसने जिस खाते से पैसे भेजे मेरा खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295, TRANSACTION ID– 442017781893, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंक। जिसके बाद उन्होंने पहले वाले 3900 + 2600 = 6500 रूपीस phone पे द्वारा उसके अकाउंट में ट्रांसफर करे जिसकी Transaction ID T240223125445392924350 1 दिनांक 23–02–2023 जिसमे पैसे आये उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295 कोटक महिंद्रा बैंक। उसके बाद

@Sayanapadhi01 ने बोला अब का जो टास्क होगा वो 4 लोगो एक साथ करेंगे तो उन्होंने टेलीग्राम पर ही एक ग्रुप बनाया जिस ग्रुप का नाम था SVIP–101 जिस ग्रुप में उन्होंने 4 लोग जोड़े जिसमें एक में और बाकि 3 लोग थे

1–@Benegal Pandey1

2–Daksh Dhavele

3– Ranjit upelakar

उसके बाद उन्होंने दोबारा 7000 रूपीस का टास्क दिया और बोले ये करने पर आपको 9100 रूपीस मिलेंगे उसने उन्हें 7000 रूपीस ट्रांसफर करे जिसका खाता संख्या 38386456836, IFSC–SBIN0021688 खाता का नाम NENAVATH HEMALATHA BAI उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295, TRANSACTION ID– 405424699217, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंक। उसके बाद उन्होंने दोबारा 25000 रूपीस का टास्क दिया और बोले ये करने पर आपको 32500 रूपीस मिलेंगे मेने उन्हें 25000 रूपीस ट्रांसफर करे जिसका खाता संख्या – 003120421000348, IFSC–JIOP0000001 खाता का नाम MOHAMMED FAISEL KHAN उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295, TRANSACTION ID–405426048804, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंका उसके बाद उन्होंने दोबारा 50,000 रूपीस का टास्क दिया और बोले ये करने पर आपको 65,000 रूपीस मिलेंगे उसने उन्हें 50,000 रूपीस ट्रांसफर करे जिसका खाता संख्या 003120421000348, IFSC– JIOP0000001 खाता का नाम– MOHAMMED FAISEL KHAN उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295, TRANSACTION ID–405427088254, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंका 50,000 रूपीस डालने के बाद उन्होंने कहा अपने गलत ट्रेडिंग कर दी है जिससे आपका ट्रेडिंग अकाउंट फ्रीज हो गया है अब इसके लिए आपको 1,00,000 और डालने होंगे जिससे आपका डाटा रिपेयर होगा और आपको 1,50,000 रूपीस मिलेंगे फिर उसने उन्हें 1,00,000 रूपीस ट्रॉसफर करें, जिसका खाता संख्या – 003120421000348, IFSC– JIOP0000001 खाता का नाम – MOHAMMED FAISEL KHAN उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295, TRANSACTION ID–405416413794, दिनांक 23–02–2024 कोटक महिंद्रा बैंका उसके बाद उन्होंने कहा अब डाटा रिपेयर 2 होगा जिसके लिए आपको 1,80,000 रूपीस डालने होंगे और आपको 2,70,000 रूपीस मिलेंगे, लेकिन उसने उन्हें बोला उसके पास इतने पैसे नहीं है बहुत रिक्वेस्ट करने के बाद उन्होंने बोला उसने कंपनी में सीनियर से बात करी है 80,000 रूपीस कंपनी प्रोवाइड करा रही है बाकि आप 1,00,000 रूपीस ट्रांसफर करा दीजिए हम आपके सारे पैसे दे देंगे फिर उसने उन्हें दोबारा 1,00,000 रूपीस ट्रांसफर करें। जिसका खाता संख्या– 8330010000007250, IFSC– DBSSOIN0330 खाता का नाम – MILAN KUMBHAR उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 158001528040, IFSC– ICIC0001580, TRANSACTION ID–405420302256, दिनांक 23–02–2024 ICICI बैंक। उसके बाद उन्होंने कहा आप @Finan Officer 30 से बात करिए ये आपको आपका अमाउंट ट्रांसफर करेंगे उसने उनसे बात करी फिर उन्होंने कहा अभी ऑफिस टाइम खत्म हो गया है कल सुबह 24 फरवरी को 9 बजे ऑनलाइन आइएगा तो अगले दिन उसने सुबह उन्हें मैसेज करा तो उन्होंने ये मैसेज उसे भेजा जो उसने अब लिखा है** प्रिय ग्राहक, चूँकि बड़ी मात्रा में धनराशि निकालने का यह आपका पहला मौका है, धनराशि की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के लिए, कृपया कंपनी द्वारा प्रदान की गई राशि के अनुसार अलग–अलग निकासी के लिए सख्ती से आवेदन करें। 10,000 की परीक्षण राशि प्राप्त करने के बाद, कृपया पैसे निकालने के लिए संकेतों का पालन करें। पहला अंकः 10,000 दूसरा अंकः 347800 तीसरा भुगतानः 158800, आप उपरोक्त मात्रा में नकदी निकाल सकते हैं। प्रक्रियाओं के

अनुसार धनराशि निकालने में विफलता के परिणामस्वरूप खाता अवरुद्ध या फ्रीज कर दिया जाएगा। *** उसके बाद उन्होंने उसे 10,000 रूपीस ट्रांसफर किए उसके अकाउंट में। जिसकी Transaction ID 405502264985 दिनांक 24–02–2023 खाता का नाम रेशमा के, जिसमे पैसे आये मेरा खाता नंबर 5313538677, IFSC– KKBK0005295 कोटक महिंद्रा बैंका उसके बाद उन्होंने कहा अपने गलत ट्रेडिंग कर दी है जिससे आपका ट्रेडिंग अकाउंट फ्रीज हो गया है अब इसके लिए आपको 3,09,960 और डालने होंगे जिससे आपका डाटा रिपेयर होगा लेकिन उसने कहा उसके पास इतने पैसे नहीं है तो उन्होंने कहा आप 2,00,000 रूपीस कर लीजिए बाकि में कंपनी से करा देता हु फिर उसने उन्हें 2,00,000 रूपीस ट्रांफर करे जिसका खाता संख्या 257666974213, IFSC– INDB0001966 खाता का नाम – OM SHANTI SALES AND SERVICES उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 158001528040, IFSC– ICIC0001580, TRANSACTION ID– 405510174890, दिनांक 24–02–2024 ICICI बैंका फिर उसके बाद उन्होंने कहा आपका ट्रेडिंग अकाउंट का क्रेडिट स्कोर 100 से 50 हो गया है जिसे पूरा 100 करने के लिए आपको 5,00,000 और डालने होंगे एक क्रेडिट स्कोर 10,000 रूपीस का है फिर उसने उन्हें कहा उसके पास और पास नहीं है देने के लिए तो उन्होंने कहा अगर आप और पैसे नहीं दोगे तो आपका क्रेडिट स्कोर डेली 2 पॉइंट कम हो जाएगा। उसने 25,26 फरवरी उन्हें कोई पैसा नहीं दिया में उनसे रिक्वेस्ट करता रहा कि उसका पैसे उसे वापस दे दो, लेकिन उन्होंने कहा अब आपको 5,40,000 देने होंगे तभी आपको आपका सारा पैसा मिलेगा 27 फरवरी को बहुत रिक्वेस्ट करने के बाद उन्होंने कहा आप 1,00,000 रूपीस अर्रगे कर लीजिए बाकि 4,40,000 का वह कंपनी से अप्रूवल ले लेता। फिर उसने उन्हें 1,00,000 रूपीस ट्रांसफर कर दिए है जिसका खाता उसने जिस संख्या – 00000042679112836, IFSC– SBIN0016720 खाता का नाम – AK ENTERPRISES मैंने। खाते से पैसे भेजे मेरा खाता नंबर 158001528040, IFSC– ICIC0001580, TRANSACTION ID 405819785550, दिनांक 27–02–2024 ICICI बैंका 1,00,000 रूपीस ट्रांसफर करने के बाद उन्होंने कंपनी ने 4,40,000 का अप्रूवल नहीं दिया 3,40,000 का अप्रूवल दिया है फिर उन्होंने कहा आपको 1,00,000 रूपीस और ट्रांसफर करने होंगे तो उसने उन्हें दोबारा 1,00,000 ट्रांसफर किए जिसका खाता संख्या 00000042690067250, IFSC–SBIN0017025 खाता का नाम – TAKEPLAZA ENTERPRISES उसने जिस खाते से पैसे भेजे उसका खाता नंबर 158001528040, IFSC– ICIC0001580, TRANSACTION ID–405820109768, दिनांक 27–02–2024 ICICI बैंका उसके बाद उन्होंने कहा आपका जो विथड्रॉल अमाउंट है वो 10,00,000 से ऊपर हो गया है इसके लिए आपको लार्ज अमाउंट चैनल खोलना होगा जिसके लिए 80,000 रूपीस और देने होंगे लेकिन उसके पास और पैसे न होने के कारण उसने उन्हें कोई पैसे नहीं दिए उन्होंने उससे टोटल 6,88,000 रूपीस ले लिए। उसके साथ टास्क कम्पलीट का प्रॉफिट देने के नाम पर साइबर ठगी हुई है।

5– जमानत प्रार्थना–पत्र पर प्रार्थी/अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता एवं अभियोजन की ओर से विद्वान सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) को सुना एवं समस्त प्रपत्रों का अवलोकन किया।

6– अभियुक्त की ओर से यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक/अभियुक्त द्वारा वादी मुकदमा के साथ कोई Fraud/धोखाधड़ी नहीं किया है। वादी मुकदमा के साथ हुई धोखाधड़ी में आवेदक/अभियुक्त की कोई भूमिका नहीं है। आवेदक/अभियुक्त को जमानत पर रिहा किया जाये।

7– इसके विपरीत अभियोजन की ओर से यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक/अभियुक्त के खाते में सात लाख रूपये जमा होना पाये गये है। जोकि वादी मुकदमा से धोखाधड़ी करके वसूल किये गये है, इसलिए आवेदक/अभियुक्त का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाये।

8– आवेदक/अभियुक्त ने विवेचक को दिये गये बयान में यह कथन किया है कि अमर दीप पुत्र

अम्बेद निवासी म0नं0 559 झुग्गी के ब्लक एमआईजी फ्लैट डीडीए जहाँगीरपुरी थाना जहाँगीरपुरी दिल्ली उम्र 24 वर्ष, मो0नं0 9990204908, आधार कार्ड नं0 998666343149, व्यवसाय डिलिवरी बय ने पूछने पर बताया कि सर मैं वर्ष 2022 में अमेजन कम्पनी में डिलिवरी बय का काम करता था तभी मेरी मुलाकात डिलिवरी देते समय अजय पासवान से हुई जिसने मुझे साइड बिजनेस करने के लिए कहा और मैंने अपना इंडस इन्ड बैंक बुराडी में खाता खुलवाया उसने मुझे खाते के बदले 25000/रू० देने के लिए कहा था लेकिन खाता खुलने के बाद उसने मुझे 7000/ रू0 दिये और बताया की तुम्हारा एटीएम, चैक बुक रिसिव नहीं हुये है और काम करोगे तब रूपये दूंगा। मैने अपनी पत्नी व पिता का खाता खुलवाया तब मुझे पत्नी सुनीता के खाते के 7000/ रू0 मिले तथा पापा के खाते के बारे में कहा की खाता नही खुला। फिर मैंने अपने दोस्त राम आशीष तथा अन्य दोस्तों के खाते खुलवाये जिनके बदले मुझे प्रत्येक खाते के 7000/ रू0 मिलते थे मै 5000/ रू0 खाता धारको को देता था तथा 2000/ रू0 स्वयं रखता था। मैने एक डेढ साल पहले अजय पासवान निवासी गली नं0 02 जनता बिहार बुराडी दिल्ली को गुरूग्राम से0 22 हरियाणा पुलिस को पकड़वा दिया था। मैने रामआशीष के खाता सं0 00000042690067250 IFSC CODE SBIN0017025 के सारे क्रिडिन्शियल अजय पासवान को दिये थे। मैं अपनी सफाई अपने वकील साहब के माध्यम से अदालत में दूंगा।

9– प्रपत्रों के अवलोकन से दर्शित है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार आवेदक/अभियुक्त के खाते में वादी मुकदमा से धोखाधड़ी करके वसूल किये गये पैसे दर्शित किये गये है। प्रार्थी/अभियुक्त उक्त मामले में दिनांक 28.09.2025 से जिला कारागार में निरूद्ध है। आवेदक/अभियुक्त का कोई आपराधिक इतिहास भी संबधित थाना पुलिस द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः प्रकरण के सम्पूर्ण तथ्य एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए बिना गुणदोष पर कोई अभिमत व्यक्त किये यह न्यायालय प्रार्थी/अभियुक्त को उक्त मामले में जमानत पर रिहा किये जाने का न्यायोचित आधार पाती है। तद्नुसार प्रार्थी/अभियुक्त की तरफ से प्रस्तुत प्रथम जमानत प्रार्थना पर स्वीकार किये जाने योग्य है।

<u>आदेश</u>

10– प्रार्थी/अभियुक्त अमरदीप की ओर से प्रस्तुत जमानत प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जाता है। प्रार्थी/अभियुक्त द्वारा अंकन 50,000/–रूपये का व्यक्तिगत बन्धपत्र व इसी धनराशि की दो विश्वसनीय प्रतिभू सम्बन्धित न्यायालय की संतुष्टि में दाखिल करने पर जमानत पर रिहा किया जाये।

दिनांक–16.03.2026

(शिव कुमार तिवारी)
J.O. Code No. UP–01646
अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0 4,
गाजियाबाद।

Digitally signed by SHIV KUMAR TIWARI
Date: 2026.03.17 16:39:28 UTC
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court